सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-6	विषय: अमृत संचय	पाठ:5 पंडित गजाधर शास्त्री

अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर (केवल पुस्तक के लिए)

1. उचित विकल्प चुनिए

1. कहानीकार छुट्टियाँ मनाने कहाँ गए?

✓ (क) पुरी

2. कहानी के अनुसार कहानीकार के कितने कहानी-संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं?

✓ (ख) दो

3. पं. गजाधर शास्त्री ने अपनी कहानी की विशेषता बताते हुए कहा–

✓ (क) मेरी कहानी-कहानी न बनकर बस कहानी बन जाती है।

4. पं. गजाधर शास्त्री की कहानी किसमें प्रकाशित हुई थी?

✓ (क) एक छात्रोपयोगी पत्रिका में

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर

1. इस कहानी में 'हिंदुस्तानी' से क्या अभिप्राय है?

2. उत्तर: 'हिंदुस्तानी' से आशय भारत में रहने वाले ऐसे व्यक्ति से है जो जाति, धर्म और भाषा के भेद से ऊपर उठकर भारतीयता की भावना रखता हो।

2. पं. गजाधर शास्त्री के साहित्य के विषय में बताइए।

उत्तर: पं. गजाधर शास्त्री का साहित्य सरल, रोचक और हास्य-व्यंग्य से भरपूर है। उनकी रचनाओं में सामान्य जीवन की घटनाओं और सामाजिक परिस्थितियों का प्रभाव दिखाई देता है।

3. पं. गजाधर शास्त्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर: पं. गजाधर शास्त्री सरल, विनोदी, संवेदनशील और जिज्ञासु व्यक्ति थे। वे छोटी-छोटी घटनाओं को ध्यान से देखते थे और उनमें से कहानी का विषय खोज लेते थे। उनका व्यवहार सहज और मिलनसार था।

4. शास्त्री जी ने होटल के जूठे बर्तन उठाने आए छोटे लड़कों को चोर क्यों समझ लिया?

उत्तर: शास्त्री जी ने छोटे लड़कों को होटल के जूठे बर्तन उठाते हुए देखा। उन्हें लगा कि वे बर्तन उठाकर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने उन्हें चोर समझ लिया। बाद में वास्तविकता का पता चलने पर उनकी गलतफहमी दूर हुई।